UTTRAKHAND JUDICIAL MAINS EXAM 2019

2019
LAW-I (Substantive Law)
विधि - I (मुख्य विधि)

Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 200**

1. **(a) Explain the essential elements of 'Lease' and 'Licence and distinguish them. /पट्टा तथा अनुज्ञप्ति के आवश्यक तत्त्वों की व्याख्या कीजिए और उनमें अन्तर बताइए।** **15**

(b) **Discuss the essential ingredients of Nuisance. How is a public Nuisance different fromprivate nuisance ? Discuss with illustrations./ उपताप' के आवश्यक तत्त्वों की विवेचना कीजिए । लोक उपताप निजी उपताप से किस प्रकार भिन्न है ? सोदाहरण विवेचना कीजिए।** **10**

(c) **"The definition of 'Proposal' as given under Section 2(a) of the Indian Contract Act, 1872 is not that of a valid proposal but it is the definition of all kinds of proposals." Critically evaluate the statement and substantiate your answer with appropriate illustrations. / "भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 की धारा 2(अ) के अन्तर्गत दी हुयी 'प्रस्थापना' की परिभाषा एक वैध प्रस्थापना की परिभाषा नहीं है, अपितु यह सभी प्रकार के प्रस्थापना' की परिभाषा है।" इस कथन का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए तथा समुचित उदाहरणों द्वारा अपने उत्तर की सम्पुष्टि कीजिए।** **15**

2.

(a) **"The relationship of partnership arises from contract and not from status." Explain. /"भागीदारी के संबंध का सृजन संविदा से होता है न कि स्थिति से " व्याख्या कीजिए।** **10**

(b) **"In a contract of guarantee the surety undertakes to protect the interest of the creditor is liable to him on behalf of the principal debtor for which he does not get any direct consideration either from the creditor or from the principal debtor. Therefore, law confers certain rights upon the security to protect his interest under a contract of guarantee." Explain this statement./"प्रत्याभूत की संविदा में प्रतिभू मूलऋणी की तरफ से ऋणदाता के प्रति दायी होकर उसके हित को सुरक्षित करने का दायित्व लेता है । जिसके लिए वह ऋणदाता या मूल ऋणी से कोई प्रत्यक्ष प्रतिफल नहीं प्राप्त करता है। अत: प्रत्याभूति की संविदा में प्रतिभू के हित को सुरक्षित करने के लिए विधि उसे कुछ अधिकार प्रदान करती है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।** **20**

(c) **What is rule against perpetuity' ? Why has this rule been placed on the statute book ? iscuss. /'शाश्वतता के विरुद्ध नियम' क्या है ? इस नियम को संविधि में क्यों रखा गया है ? विवेचना कीजिए।** **10**

3.

(a) **Explain 'Partnership at will'. Can such partnership be dissolved by the order of the court ? /"ऐच्छिक भागीदारी' को समझाइए । क्या ऐसी भागीदारी न्यायालय के आदेश द्वारा विघटित की जा सकती है ?** **10**

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

(b) What are the essential conditions of a valid marriage under the Hindu Marriage Act, 1955 ? Can a Hindu marry with a Non-Hindu ? /हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 के अन्तर्गत एक वैध विवाह की आवश्यक शर्तें क्या हैं ? क्या एक । हिन्दू गैर-हिन्दू से विवाह कर सकता है ?

10

(c) "Muslim marriage is a contract, but it is a sacred contract". Discuss the characteristics of Muslim marriage in the light of this statement. /'मुस्लिम विवाह एक संविदा है, परन्तु यह एक पवित्र संविदा है।' इस कथन के आलोक में मुस्लिम विवाह की विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

10

4

(a) "An easement of necessity is a right which an owner or occupier of land must of necessity exercise on or over another's land for enjoyment of its own." Discuss this statement and answer with illustrations. /"आवश्यकता का सुखाधिकार" वह अधिकार है जो एक जमीन का मालिक या अधिभोगी आवश्यकता के कारण अपनी जमीन के उपयोग के लिए दूसरे की जमीन के ऊपर प्रयोग में लाता है।" इस कथन की विवेचना कीजिए और उत्तर उदाहरण सहित दीजिए।

10

(b) Coercion may be regarded as an aggravated form of undue influence rendering the consent not free and the contract is voidable." Comment on the statement. /"प्रपीड़न को असम्यक-असर का बढ़ा हुआ रूप माना जा सकता है जो सहमति को स्वतंत्र नहीं रहने देता तथा संविदा को शून्यकरणीय बना देता है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

10

(c) "Property of any kind may be transferred." Is there any exception to this general rule ? Discuss. /"किसी भी प्रकार की सम्पत्ति अन्तरित की जा सकती है ।" क्या इस सामान्य नियम के अपवाद हैं ? विवेचना कीजिए।

10

5.

(a) "The word 'impossible' is not used under section 56 of the Indian Contract Act in the sense of physical impossibility alone". Discuss the statement in the light of relevant case law and relevant provisions. /"भारतीय संविदा अधिनियम की धारा 56में असंभव शब्द का प्रयोग केवल भौतिक असंभवता के भाव में नहीं किया गया है ।" सुसंगत वाद विधि तथा सुसंगत प्रावधानों को दृष्टिगत रखते हुए इस कथन की विवेचना कीजिए।

10

(b) In the light of judicial decisions, critically examine the divorced wife's right to maintenance under the Muslim Law. /मुस्लिम विधि के अन्तर्गत तलाकशुदा पत्नी के भरण-पोषण के अधिकार का न्यायिक निर्णयों के । आलोक में समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

10

(c) Explain the maxim "Volenti nonfit injuria" and state its exception, if any. /सूत्र 'स्वेच्छा से हुयी हानि अनुयोज्य नहीं हो सकती है', को स्पष्ट कीजिए तथा इसके अपवादों, यदि कोई हो, का वर्णन कीजिए।

10

6.

(a) Discuss the principle of Law laid down in 'Ryland V. Fletcher and state the applicability of this principle in present scenario. / राइलैण्ड् बनाम फ्लेचर के मामले में स्थापित विधि सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए एवं वर्तमान परिदृश्य में इसकी प्रयोज्यता को समझाइए।

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

10

(b) Explain the doctrine of Lis-pendens' and state the essential conditions for the application of this doctrine. What do you mean by 'Restitution of Conjugal Rights' ?/'लम्बित वाद' के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए तथा इस सिद्धान्त को लागू करने के लिए आवश्यक शर्तों का वर्णन कीजिए।

10

(c) On what grounds can a decree for restitution of conjugal rights be passed ? /"दाम्पत्य अधिकारों के प्रत्यास्थापन" से आप क्या समझते हैं ? किन आधारों पर दाम्पत्य अधिकारों के प्रत्यास्थापना हेतु डिक्री पारित की जा सकती है ?

10

7.

(a) With the help of statutory provisions and relevant case law, discuss the nature of non partnership interests as provided under the Indian Partnership Act. /सांविधिक प्रावधानों एवं सुसंगत वाद-विधि की सहायता से भारतीय भागीदारी अधिनियम के अधीन प्रदत्त गैर-भागीदारी हितों की प्रकृति की विवेचना कीजिए।

10

(b) "The foundation of Doctrine of Election is that no one can approbate and reprobate at the same time". Discuss with illustrations. /"चयन के सिद्धान्त का आधार यह है कि कोई व्यक्ति एक ही समय अनुमोदन एवं अनानुमोदन नहीं कर सकता ।" उदाहरण सहित विवेचना कीजिए।

10

(c) Do you agree that the object of passing of the Hindu succession (Amendment) Act 2005 was to remove gender discriminatory provisions of the Hindu Succession Act, 1956 ? Explain. /क्या आप सहमत हैं कि हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2005 का उद्देश्य हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 के लिंग-विभेदकारी प्रावधानों को समाप्त करना था ? स्पष्ट कीजिए।

10

8.

(a) "Whether the Dower is a restriction on unlimited power of a Muslim husband to pronounce Talaq or it is being given as a token of respect to wife"? Discuss. / क्या महर एक मुस्लिम पति के असीमित तलाक देने की क्षमता पर प्रतिबंध है ? या पत्नी को आदर करने के लिए दिया जाता है ? विवेचना कीजिए।

10

(b) What are main objects of the specific relief act, 1963 ? Explain. / विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं ? समझाइए।

10

(c) While stating different kinds of easements, distinguish between easement by 'Prescription' and 'Customary Easement'./विभिन्न प्रकार के सुखाधिकारों को बताते हुए 'चिरभोग द्वारा सुखाधिकार' एवं 'प्रथागत सुखाधिकार' में प्रभेद कीजिए।

10

9.

(a) Explain the circumstances under which specific performance of a contract can not be enforced ? /उन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए जहाँ एक करार का विनिर्दिष्ट पालन नहीं कराया जा सकता है ?

10

(b) Describe "equitable interest' and 'legal interest' and also bring out distinction between these. What are essential ingredients of a tort of defamation ? /'साम्या हित' एवं विधिक हित' की व्याख्या कीजिए और इन दोनों के मध्य विभेद कीजिए।

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

10

(c) What is relevance of malice in the matter of defamation ? Explain. /मानहानि के अपकृत्य के आवश्यक तत्त्व क्या हैं ? विद्वेष की मानहानि के मामले में क्या सुसंगतता है ? समझाइए।

10

10.
(a) "He who seeks equity must do equity". Explain this maxim. / "जो साम्या की माँग करता है, उसे साम्या का पालन करना चाहिए।" सूत्र की व्याख्या कीजिए।

10

(b) "Is it correct to say that adoption under the Hindu Adoption and Maintenance Act, 1956 a secular act ? Discuss. /'क्या यह कहना सत्य है कि हिन्दू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत दत्तक एक पंथ-निरपेक्ष कृत्य है ?' विवेचना कीजिए।

10

(c) What do you mean by Stridhan' and 'Womens estate' ? And also narrate rights relating to 'Stridhan'. / स्त्रीधन और नारी-सम्पदा को समझाइए तथा स्त्रीधन से संबंधित महिला के अधिकार का वर्णन कीजिए।

10

2019
LAW - II (Evidence and Procedure)
विधि - II (साक्ष्य एवं प्रक्रिया)

Time allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 200

Compulsory Question/ अनिवार्य प्रश्न

1. Plaintiff, Rahuldev filed a suit against the defendant Mahendra Singh with the pleading that: / वादी राहुल देव ने प्रतिवादी महेन्द्रसिंह के विरूद्ध एक वाद दायर कर यह अभिवचित किया कि :

(i) Defendant is Bhumidhar of Plot no. 91, measuring approximately 29 Acres, situated in village Kalyanpur of Tehsil Kashipur. (ii) The defendant agreed to sell the aforesaid land for 1,20,000 out of which 1,00,000 was paid in advance as part of consideration, and 20,000 were required to be paid at the time of execution of the sale deed (iii) That a registered agreement dated 3-6-1996 was executed between the parties, and the sale deed was to be executed by 25-5-1998 (iv) The plaintiff was ready to get the sale deed executed by making payment of 20,000 (v) That the plaintiff requested the defendant several times to execute the sale deed but the defendant avoided the execution on this the plaintiff got served the notice on the defendant to appear on 25-5-1998 before the sub-Registrar to execute the sale deed but the defendant did not turn up, the plaintiff remained present in the office of the Sub Registrar from 10-00 Á.M. to 5 P.M. to get executed the sale deed. With the above pleadings plaintiff sought relief of specific performance of contract. The Defendant in his written statement denied having executed any agreement of sale and alleged that actually he took, loan of * 60,000 on interest @ 2% per month on 3-6-1996 from the plaintiff and returned amount of 65,000 to him. The defendant denied that plaintiff was ready and willing to perform his part of contract. On the basis of the pleadings of the parties frame issues and decide the case by supporting relevant legal provisions and case laws. /प्रतिवादी प्लाट सं. 91 मापमान लगभग 29 एकड़ कल्याणपुर ग्राम, तहसील काशीपुर में स्थित का भूमिधर है । (ii) प्रतिवादी उक्त भूमि को ₹ 1,20,000 के बदले वादी को विक्रय करने हेतु सहमत हुआ जिसमें से भागिक प्रतिफल ₹ 1,00,000 का अग्रिम भुगतान किया गया तथा शेष राशि ₹ 20,000 का भुगतान विक्रय विलेख

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

के निष्पादन के समय किया जाना था । (iii) पक्षकारों के मध्य दिनांक 3-6-1996 को एक पंजीकृत करार का निष्पादन किया गया तथा दिनांक 25-5-1998 को विक्रय विलेख का निष्पादन किया जाना था । (iv) वादी विक्रय विलेख के निष्पादन पर ₹ 20,000 का भुगतान करने के लिए तैयार था । (v) वादी ने प्रतिवादी से विक्रय विलेख के निष्पादन हेतु अनेकों बार प्रार्थना की परंतु प्रतिवादी इसे टालता रहा तब वादी ने प्रतिवादी पर नोटिस की तामील कर सब रजिस्ट्रार के कार्यलय में दिनांक 25-5-1998 को उपस्थित होकर विक्रय विलेख के निष्पादन की माँग की परन्तु प्रतिवादी हाजिर नहीं हुआ, जबकि वादी सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में उस दिन प्रात: 10 बजे से शाम 5 बजे तक उपस्थित रहा। उक्त अभिवचनों के आधार पर वादी ने संविदा के विशिष्ट अनुपालन का अनुतोष चाहा है। प्रतिवादी ने अपने लिखित कथन में विक्रय करार के निष्पादन से इन्कार करते हुए अभिकथन किया कि उसने वादी से ₹ 60,000 दो प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज दर पर 3-6-1996 को उधार लिए थे तथा वादी को ₹ 65,000 का भुगतान कर दिया है । प्रतिवादी ने इस बात से भी इन्कार किया है कि वादी अपने भाग की संविदा का पालन हेतु तैयार एवं इच्छुक था। पक्षकारों के उक्त अभिवचनों के आधार पर विवाद्यक बिन्दु विरचित करते हुए सुसंगत विधिक प्रावधानों व निर्णयज विधि का उल्लेख करते हुए एक निर्णय लिखिए।

10+30 = 40

OR/ **अथवा**

Bhim Singh S/o Govind Singh, resident of village Naliana in District Nainital got married to Prema Devi (Deceased) on 7-5-1997. Aan Singh and Nain Singh are brothers of Bhim Singh and Janki Devi is the wife of Aan Singh. Prema Devi died unnatural death in her in-laws' house on 26-9-1997. Soon after the death of Prema Devi, Pushpa Joshi, Village Pradhan of Jeolikot made a complaint to the Sub Divisional Magistrate about the unnatural death of Prema Devi. Upon receiving this information, the Magistrate along with Sub-Inspector Shiv Singh Gussain reached the village and took the body in their possession and an inquest report was prepared on the same day. Post-mortem examination of the deceased was conducted on the same day by Dr. D.K. Joshi, the report revealed that there were 90% burn injuries on the body of the deceased. First Information report was lodged on 27-9-1997 at Police Station Jyolikot by Birbal Singh (brother of deceased) stating that the marriage of his sister was solemnized with Bhim Singh, several items were given in marriage. The FIR states that Prema Devi, complainant's sister told him that when she went to the house of her in laws after marriage, her husband Bhim Singh, Aan Shigh, Nain Singh and Smt. Janki Devi used to taunt and torture by saying that she had brought nothing in dowry. When she narrated these events to her parents they persuaded Prema Devi and told her to adjust with her family. The father of the complainant Maan Singh convinced Prema Devi that he would himself talk to her in-laws and settle things. Complainant's father and uncle Trilok Singh went to the house of the in-laws and tried to persuade them but instead of settling the matter, they continued taunting and torturing. Thereafter when she came to her Parent's house on the occasion of Rakhi, she told them that Bhim Singh, Aaan Singh, Nain Singh and Janki Devi are repeatedly taunting and torturing her. She further told that the elder brother, Aan Singh threatened to insult her before the entire village and pressurised her for getting clothes and other items from her parent's house. On 27-9-1997 the complainant received the information that his sister had died due to burning. Upon receiving this information, they immediately went to the house of Prema's in-laws and they found her dead. She was completely burnt. They were told that she had set herself on fire. Investigation was done by Bimla Gunjyal, Deputy Superintendent of Police and after the investigation was complete, a Charge Sheet against all the four accused persons was filed before the Chief Judicial Magistrate. / भीमसिंह पुत्र गोविन्दसिंह, निवासी ग्राम नलियना, जिला नैनीताल का विवाह प्रेमादेवी (मृतका) से दि. 7-5-1997 को सम्पन्न हुआ । आनसिंह एवं नैनसिंह, भीमसिंह के भाई एवं जानकी देवी आनसिंह की पत्नी है । दिनांक 26-9-97 को प्रेमादेवी की अप्राकृतिक मृत्यु उसके ससुराल में हो गई । प्रेमादेवी की मृत्यु के तुरन्त पश्चात् पुष्पा जोशी, ग्राम प्रधान ज्योलि कोट ने उपखण्ड मजिस्ट्रेट को प्रेमादेवी की अप्राकृतिक मौत के बारे में सूचना दी, सूचना प्राप्ति पर मजिस्ट्रेट उप निरीक्षक शिवसिंह गुसाई के साथ घटना स्थल पर पहुँचे एवं मृत शरीर को कब्जे में लेकर उसी दिन मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट तैयार की । उसी दिन डॉ. डी.के. जोशी द्वारा मृतक की शव परीक्षा (पोस्टमार्टम) कर रिपोर्ट बनाई, जिसमें कहा गया कि मृतका के शरीर पर 90 प्रतिशत (बर्न इनजरी) दाह क्षतियाँ थी। दिनांक 27-9-97 को मृतका के भाई बीरबलसिंह ने ज्योलिकोट पुलिस स्टेशन पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई जिसमें कथन किया गया कि उसकी बहिन का विवाह भीमसिंह से हुआ था, विवाह में नाना प्रकार की वस्तुएँ (आइटमस)दी गई थी। रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया कि परिवादी की बहिन प्रेमा देवी ने उसे बताया कि विवाह के उपरांत जब वह अपने ससुराल गई तो उसके पति भीमसिंह,

Linking Laws   Linking Laws Tansukh Sir   www.LinkingLaws.com   Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

आनसिंह, नैनसिंह और श्रीमती जानकी देवी उसे यह कहते हुए कि वह दहेज में कुछ भी नहीं लाई है, ताने देते एवं उस पर अत्याचार करते थे। जब प्रेमा देवी ने ये बातें अपने माता-पि को बताई तो उन्होंने प्रेमा देवी को समझाया कि वह परिवार में सामंजस्य स्थापित कर रहे एवं परिवादी के पिता मानसिंह ने प्रेमा देवी को आश्वस्त किया कि वह स्वयं ससुराल वालों से बात कर मामले को सुलझा लेंगे। परिवादी के पिता मानसिंह एवं उसके चाचा त्रिलोकसिंह सुसराल वालों के घर गये एवं उन्हें समझाने का भरसक प्रयास किया परन्तु प्रेमादेवी को ताने देना एवं उसे यातनाएँ देना जारी रहा। उसके उपरांत प्रेमादेवी जब राखी पर अपने माता-पिता के घर आयी तो उसने बताया कि भीमसिंह, आनसिंह, नैनसिंह एवं जानकी देवी उसे बारंबार ताने व यातनाएँ देते हैं। उसने आगे यह भी कहा कि बड़े भाई आनसिंह ने उसे संपूर्ण गाँव के सामने बेइज्जत करने की धमकी देते हुए यह दबाव कि वह अपने माता-पिता के घर से वस्त्र एवं अन्य सामग्री वस्तुएँ लेकर आवे। दिनांक 27-9-97 को परिवादी को यह सूचना प्राप्त हुई कि उसकी बहिन की दाह से मृत्य हो गई, सूचना प्राप्त होते ही वे प्रेमादेवी के ससुराल गए जहाँ वह (प्रेमादेवी) मृत पड़ी थी। वह संपूर्ण रूप से जली हुई थी, उन्हें बताया गया कि उसने स्वयं अपने आपको अग्नि के हवाले किया है। उप अधीक्षक पुलिस बिमला गुंजयाल (PW6) द्वारा अन्वेषण किया गया, अन्वेषणोपरांत चारों अभियुक्तों के विरुद्ध चालान (अभियोग पत्र) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

(a) Frame the Charge against all accused under Sections 498-A and 304-B of the Indian penal code. /अभियुक्तों के विरुद्ध धारा 498-ए एक 304-बी के आरोप निश्चित कीजिए।

10

(b) The Prosecution examined Birbal Singh (PW1), Maan Singh (PW2), Trilok Singh (PW3), Pushpa Joshi (PW4), Dr. D.K. Joshi (PW5), Investigation officer PW6) and Shiv Singh Gusain (PW7). / अभियोजन ने अपने पक्ष में बीरबलसिंह (PW1), मानसिंह (PW2), त्रिलोकसिंह (PW3), पुष्पा जोशी (PW4). डॉ. डी.के. जोशी (PW5), अन्वेषण अधिकारी (PW6) एवं शिवसिंह गुंसाई (PW7) को परीक्षित किया।

On the above facts write a Judgement convicting Bhim Singh and Aan Singh based on Presumption under Section 113-B of Evidence Act and Circumstantial evidence. Cite decided case law of Uttarakhand High Court and Supreme Court in Support of the Judgement. /उक्त तथ्यों के आधार भीमसिंह व आनसिंह की दोषसिद्धि का निर्णय धारा 113-बी साक्ष्य अधिनियम एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्य को मध्यनजर रखते हुए लिखिये। निर्णिय की पुष्टि में उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय द्वारा विनिश्चित विधि का भी उल्लेख कीजिए।

30

Group – A / खण्ड-अ

2.

(a) “The Courts shall have Jurisdiction to try all suits of a civil nature excepting suits of which their Cognizance is either expressly of impliedly barred”, Discuss. State the principles laid down by the Supreme Court relating to the exclusion of Jurisdiction of Civil Courts. /“न्यायालयों को उन वादों के सिवाय, जिनका उनके द्वारा संज्ञान अभिव्यक्त या विपक्षित रूप से वर्जित है, दीवानी प्रकृति के सभी वादों के विचारण की अधिकारिता होगी।” विवेचना कीजिए। एवं उन सिद्धान्तों को बताइए जो कि दीवानी न्यायालयों की अधिकारिता को अपवर्जित करने के संबंध में उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित किए गए हैं।

15+5

(b) 'A' sues 'B', 'C' and 'D' and in order to decide the claim of 'A', the Court has to interpret a will whether the decision regarding the construction of the will on rival claims of the defendants will operate as res judicata in any subsequent suit by any of the defendants against the rest. Decide citing case law. / 'ब', 'स' एवं 'द' के विरूद्ध ‘अ’ द्वारा एक वाद दायर किया जाता है। ‘अ’ के दावे को निर्णीत करने हेतु न्यायालय को एक वसीयत का निर्वचन करना है। क्या प्रतिवादियों के परस्पर विरोधी दावों के विषय में न्यायालय द्वारा वसीयत का अर्थान्वयन किसी पश्चात्वर्ती वाद में जो किसी भी एक प्रतिवादी द्वारा अन्य प्रतिवादियों के विरूद्ध लाया जाता है, प्रांग न्याय (पूर्व न्याय) के रूप में लागू होगा ? निर्णीत वाद का उल्लेख करते हुए विनिश्चित कीजिए।

10

(c) Decide giving reasons whether the rule of res-judicata is applicable in the following :/ सकारण निर्णीत किजीए कि क्या पूर्व न्याय का नियम निम्न पर लागू होता है :

Linking Laws   Linking Laws Tansukh Sir   www.LinkingLaws.com   Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

10

(i) Dismissal of suit for default./ चूक के लिए वाद की बर्खास्तगी का आदेश ।
(ii) Ex-Parte decree./ एक तरफा डिक्री।
(iii) Compromise decree./ समझौता डिक्री।
(iv) Interim orders./ अन्तर्वर्ती आदेश।

3.

(a) Decide the following with the help of relevant legal provisions :/ निम्नलिखित को सुसंगत विधिक उपबंधो की सहायता से निर्णीत कीजिए :

(i) 'A' agrees to sell and deliver 100 tins of oil to 'B' at a particular rate on 1st January, 2019. He also agrees to sell and deliver a like quantity of oil on the same day at the same price to 'C'. 'A' does not supply (deliver) oil to anyone. Whether 'B' and 'C' can join as Co-Plaintiffs in one suit against 'A'. /'क' 1 जनवरी, 2019 को एक विशिष्ट दर पर 'ख' को 100 दिन तेल विक्रय एवं परिदान हेतु सहमत होता है । 'क' उसी दिन उतनी ही मात्रा का तेल 'ग' को उक्त दर पर ही विक्रय एवं परिदान हेतु सहमत होता है । 'क' किसी को ही तेल का परिदान नहीं करता है। क्या 'ख' एवं 'ग', 'क' के विरूद्ध वाद मे सहवादी के रूप में संयोजित हो सकते हैं ?

5

(ii) There is a collision between a bus and a Car. The Bus belongs to 'A' and the Car belong to 'B'. As a result of the collision 'C' a passerby is injured. Whether 'C' may join 'A' and 'B' as defendants in one suit for damages for injuries caused to him by negligence ? / एक बस और कार में टक्कर होती है । बस का स्वामी 'अ' एवं कार का स्वामी 'ब' है । टक्कर । के परिणाम स्वरूप समीप से गुजर रहे यात्री 'स' को चोट लगती है । क्या 'स' उपेक्षा के लिए क्षतिपूर्ति हेतु वाद में 'अ' एवं 'ब' दोनों को सह प्रतिवादी के रूप में संयोजित कर सकता है ?

5

(b) What do you mean by representative suit' ? Discuss the essential conditions to file such suit. / प्रतिनिधि वाद' से क्या अभिप्राय है ? ऐसे वाद दायर करने हेतु आवश्यक शर्तों का विवेचन । कीजिए।

10

(c) Which court determines the questions relative to execution discharge or satisfaction decree. Also explain the rules for adjudication of claims or Objections to attachment of property in Execution of decree. / एक डिक्री के क्रियान्वयन, उन्मोचन या तृष्टि के बारे में विवादों का कौन सी न्यायालय अवधारण करती है ? डिक्री के क्रियान्वयन में उठाए गए दावों अथवा आपत्तियों के निपटारे हेतु नियमों की भी व्याख्या कीजिए।

20

4.

(a) What do you mean by ex parte Decree ? What remedies are available to a defendant against such decree ? Citing judicial decision point out whether inherent power can be exercised to set aside such decree ? Is appeal allowed against an order rejecting an application to set aside ex parte decree. "एक पक्षीय डिक्री' से क्या तात्पर्य हैं ? ऐसी डिक्री के विरूद्ध प्रतिवादी को उपलब्ध उपचारों का वर्णन करते हुए बताइए कि क्या ऐसी डिक्री को अपास्त करने हेतु अन्तर्निहित शक्ति का प्रयोग किया जा सकता है ? न्यायिक दृष्टांत का उल्लेख कीजिए । क्या एकपक्षीय डिक्री को अपास्त करने हेतु प्रस्तुत आवेदन को अस्वीकार करने वाले आदेश के विरूद्ध अपील अनुज्ञेय है ?

20

(b) State the grounds on the basis of which temporary injunction can be granted. What are the consequences of disobedience or breach of injunction ? / उन आधारों का उल्लेख कीजिए जिनके आधार

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

पर अस्थायी निषेधाज्ञा जारी की जा सकती है। अस्थायी निषेधाज्ञा की अवज्ञा अथवा इसके भंग किये जाने के क्या परिणाम हैं ?

20

5.

(a) Examine the legal provisions mentioned in Civil Procedure relating to a suit by or against minor in the light of the principles laid down by the Supreme Court in Nagaiah V. Chowdamma (A.I.R. 2018 S.C. 459). / अवयस्क द्वारा या उसके विरूद्ध वाद लाये जाने के संबंध में दीवानी प्रक्रिया संहिता में उल्लिखित प्रावधानों का नगयाह बनाम चौडम्मा (ए.आई.आर. 2018 एस.सी. 459) में उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों के प्रकाश में परीक्षण कीजिए।

20

(b) What is meant by Interpleader suit ? Give at least two illustrations to clarify its scope. What procedure is adopted by the Court for hearing such a suit ? / 'अन्तरामिवाची वाद' से क्या अभिप्राय है ? इसके क्षेत्र को स्पष्ट करने के लिए कम से कम दो दृष्टान्त दीजिए । इस प्रकार के वाद की सुनवाई के लिए न्यायालय द्वारा क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है ?

2+3+5 = 10

(c) Discuss the various modes of executing decrees. /डिक्री के निष्पादन की विभिन्न रीतियों (ठंगों) का विवेचन कीजिए।

10

Group-B /खण्ड-ब

6.

(a) 'All Confessions are admissions but all admissions are not Confessions." Explain this statement and distinguish between an admission and confession with relevant illustrations. When is the confession of a co-accused is relevant ? /"सभी संस्वीकृतियाँ स्वीकृति होती हैं किन्तु सभी स्वीकृतियाँ संस्वीकृति नहीं होती हैं।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए तथा स्वीकृति एवं संस्वीकृती में सुसंगत दृष्टांतों सहित अन्तर स्पष्ट कीजिए । सह अपराधी द्वारा की गई संस्वीकृति कब सुसंगत होती है ?

20

(b) What do you mean by "Dying Declaration' ? Discuss its evidentiary value in the light of decided cases, specially Nirbhaya Case (Mukesh and another V. State of NCT Delhi, AIR 2017 SC 2161) / 'मृत्यु कालीन घोषणा' से आप क्या समझते है ? उच्चतम न्यायालय द्वारा विनिश्चित विभिन्न निर्णयों विशेषतः निर्भया मामले (मुकेश एवं अन्य बनाम स्टेट ऑफ एन सी टी देहली, ए.आई.आर 2017 एससी 2161) के प्रकाश में इसके साक्ष्यिक महत्त्व का विवेचन कीजिए।

20

7.

(a) Who is an expert? Discuss the matters for which option of experts may be obtained by the Court. Citing relevant case laws examine the Evidentiary Value of such opinion. / विशेषज्ञ कौन है ? उन मामलों की विवेचना कीजिए जिनके लिए विशेषज्ञों की राय न्यायालय द्वारा प्राप्त की जा सकती है। ऐसी राय के साक्ष्यिक मूल्य का परीक्षण सुसंगत वादों का उल्लेख करते हुए कीजिए।

20

(b) What do you understand by presumptions ? How many kinds of presumptions are there ? Give illustrations. Is the presumption under section 113-B is rebuttable. Cite a recent Judgement of apex Court. /उपधारणाओं से आप क्या समझते हैं ? यह कितने प्रकार को होती हैं ? दृष्टांतों का उल्लेख कीजिए। हाल ही उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए कि क्या धारा 113-ब साक्ष्य अधिनियम में उल्लिखित उपधारणा खण्डनीय है ?

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

20

8.

(a) State the provision Contained in Cr. P.C. relating to 'Sentence in Cases of conviction of several offences at one trial. Is this provision mandatory ? Cite judicial decision. / "एक ही विचारण में कई अपराधों के लिए दोषसिद्ध किए जाने पर दण्डादेश' के बारे में दण्ड प्रक्रिया संहिता में क्या प्रावधान किए गए हैं ? न्याय दृष्टान्त का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए कि क्या यह प्रावधान आज्ञापक है ?

10

(b) Explain the different processes to compel the appearance of a person in the Court. /किसी व्यक्ति को न्यायालय में हाजिर होने को विवश करने के लिए जारी की जाने वाले विभिन्न आदेशिकाओं का वर्णन कीजिए।

20

(c) Point out the difference between the following: /निम्नलिखित में भेद बताइए :
(i) Appeal and Revision / अपील एवं पुनरीक्षण

5

(ii) Investigation, Inquiry and trial. / अन्वेषण, जाँच एवं विचारण

5

9. (a) In which cases a court of session can take cognizance of an offence as a court of original jurisdiction. Discuss in detail and also out the procedure to be adopted in such cases. / किन मामलों में सेशन न्यायालय मूल अधिकारिता के न्यायालय के रूप में अपराध का संज्ञान ले सकता है ? विस्तार से विवेचन करते हुए ऐसे मामलों में अपनायी जाने वाली प्रक्रिया भी बताइए।

20

(b) What do you mean by "First Information Report ? Discuss following points relating to it : / 'प्रथम सूचना रिपोर्ट' से आप क्या समझते हैं ? इसके संबंध में न्यायिक द्रष्टांतो का उल्लेख करते हुए निम्न बिंदुओं पर प्रकाश डालिए :

5+5+5=15

(i) Telephone message as F.I.R. / दूरभाष पर संदेश प्रथम सूचना रिपोर्ट के रूप में
(ii) Effect of delay in lodging it. /विलंब से दर्ज करवाए जाने का प्रभाव
(iii) Evidentiary value of F.I.R. Cite judicial decision on each point. / इसका साक्ष्यिक मूल्य

10.

(a) Appellant surrendered before chief Judicial Magistrate on 5-7-13 relating to offence under section 302/34/120 B I.P.C. On 3-10-13 Chalan was filed. Appellant argued that it was 91st day of detention. /अपीलार्थी ने, दिनांक 5 जुलाई, 2013 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष आत्म समर्पण किया, उसके विरूद्ध धारा 302/34/120 बी भारतीय दण्ड संहिता के अपराधों का अभियोग था । दिनांक 3 अक्तूबर, 2013 को उसके विरूद्ध न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया । अपीलार्थी के द्वारा तर्क दिया गया कि दिनांक 3 अक्तूबर, 2013 को निरोध का 91वां दिन था ।
Decide the argument of appellant in the light of relevant law and case law. / सुसंगत विधि एवं न्यायिक दृष्टान्त के प्रकाश में अपीलार्थी के तर्क को निर्णीत कीजिए।

10+ 10 = 20

(b) State the guiding principles issued by Supreme Court which are to be ensured before issuing a direction for investigation under section 156(3) of Cr. P.C. / उन मार्गदर्शक सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिए जो कि उच्चतम न्यायालय द्वारा धारा 156(3) दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत अन्वेषण का निर्देश दिए जाने से पूर्व सुनिश्चित किए जाने आवश्यक बताए गए है।

10

(c) Decide with the help of Judicial decisions whether a statement other than the confession under Sec, 164(5) of Cr. P.C. may be recorded by a Magistrate without producing the person

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

making such statement by the police ? / न्यायिक दृष्टान्तों की सहायता से विनिश्चित कीजिए कि क्या कोई मजिस्ट्रेट संस्वीकृति से भिन्न किसी कथन को धारा 164(5) दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत कथनकर्ता को पुलिस द्वारा मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किए बिना अभिलिखित कर सकता है ?

10

2019
LAW – III (Revenue and Criminal)
विधि - III (राजस्व एवं दाण्डिक)

Time allowed : Three Hours/ [Maximum Marks : 200

खण्ड – अ / Group - A

1.

(a) What were the consequences of vesting of an estate in the State ? /आस्थानों के राज्य में निहित होने के क्या परिणाम थे ? व्याख्या कीजिए।

20

(b) Discuss. Explain the following : /निम्नलिखित को स्पष्ट कीजिए :
(1) Evacuee Property/ निष्क्रान्त सम्पत्ति
(2) Lands vested in Gram Sabha's /ग्राम सभाओं में निहित भूमियाँ
(3) Mines Tribunal /खान न्यायाधिकरण
(4) Government Lessee/ सरकारी पट्टेदार

2.

(a) What do you understand by Land Management Committee ? What are the functions and duties of the Land Management Committee regarding Superintendence, Management and Control of Land ? Explain. / भूमि प्रबन्धक समिति से आप क्या समझते हैं ? भूमि के अधीक्षण, प्रबन्ध तथा नियंत्रण के सम्बन्ध में भूमि प्रबन्धक समिति के क्या कार्य एवम् कर्त्तव्य हैं ? स्पष्ट कीजिए।

15

(b) Discuss the provisions relating to allotment of land for housing sites for members of Scheduled Castes, agricultural labourers, etc. and restoration of possession of allottees. /अनुसूचित जातियों के सदस्यों, खेतिहर मज़दूरों आदि के आवास-स्थलों के लिए भूमि के आवंटन तथा आवंटियों को कब्जे के पुनःस्थापन से सम्बन्धित प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

15

3.

(a) What are the rights of Bhumidhar with transferable rights ? Describe. /संक्रमणीय अधिकार वाले भूमिधर के क्या अधिकार हैं ? उल्लेख कीजिए।

10

(b) Discuss the provision relating to "Lands in which Bhumidhari rights shall not accrue." / "वह भूमि जिसमें भूमिधरी अधिकार उत्पन्न नहीं होते हैं", सम्बन्धित प्रावधान का वर्णन कीजिए। 10

(c) What are the circumstances in which a Bhumidhar can let land on lease ? Explain. / वे कौन सी परिस्थितियाँ हैं जिनमें एक भूमिधर भूमि को पट्टे पर दे सकता है ? स्पष्ट करें।

10

4.

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

(a) Discuss the provisions relating to extinction of the interest of a Bhumidhar with transferable rights and Bhumidhar with non transferable rights. / संक्राम्य अधिकारों वाले भूमिधर व असंक्राम्य अधिकारों वाले भूमिधर के स्वत्व की समाप्ति से सम्बन्धित प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

10

(b) Explain the summary procedure for ejectment from the land of Public Utility. Also discuss the remedies for wrongful ejectment. / सार्वजनिक प्रयोजन की भूमि से बेदखल करने की संक्षिप्त प्रक्रिया का वर्णन कीजिए । सदोष बेदखली के मामले में उपचार का भी वर्णन कीजिए।

10

(c) Describe the various modes of recovery of arrears of land revenue. / बकाया मालगुजारी की वसूली के विभिन्न तरीकों का वर्णन कीजिए।

10

5.

(a) Discuss the various provisions incorporated under UPZA and LR Act regarding waqfs and trusts in respect of classification and rehabilitation grant. / उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवम् सुधार अधिनियम के अन्तर्गत वक्फ एवं न्यासों के वर्गीकरण एवं पुनर्वासन अनुदान से सम्बन्धित प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

15

(b) Write a short notes on the following: / निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) Goan fund / गाँव निधि

5

(ii) Power to call for cases /वाद मंगाने की शक्ति]

5

(iii) Power & duties of a compensation commissioner / प्रतिकर कमिश्नर के अधिकार व कर्त्तव्य

5

Group-B

6.

(a) What do you mean by abetment of an offence ? What are the various modes by which abetment is possible ? Explain. / अपराध के दुष्प्रेरण से आप क्या समझते हैं ? दुष्प्रेरण किन-किन तरीकों द्वारा सम्भव है ? समझाइये।

20

(b) A instigates B to burn C's house. B sets fire to the house and at the same time mmits theft of property there. What offences have A and B committed ? Examine. / क, ख को ग का मकान जलाने के लिए उकसाता है । ख उस मकान में आग लगा देता है और उसी समय वहाँ सम्पत्ति की चोरी भी करता है । क और ख ने कौन से अपराध कारित किये ? विवेचना कीजिए।

10

(c) A instigates B to give false evidence. B does not give false evidence. Has A committed any offence ? Examine. / क मिथ्या साक्ष्य देने के लिए ख को उकसाता है । ख ने मिथ्या साक्ष्य नहीं दिया । क्या क ने कोई अपराध कारित किया ? विवेचना कीजिए।

10

7.

(a) "Robbery is either theft or extortion". Evaluate the statement. / "लूट या तो चोरी है या उद्दापन", इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।

10

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

(b) A obtains property from B by saying that your child is in the custody of my gang, and will be put to death unless you send us ten thousand rupees." What offence has been committed by A ? Examine. / क, ख से यह कहकर सम्पत्ति अभिप्राप्त करता है कि 'तुम्हारा शिशु मेरी टोली के कब्जे में है और यदि तुम हमारे पास दस हजार रुपया नहीं भेजते, तो वह मार डाला जायेगा ।' क ने क्या अपराध कारित किया ? परीक्षण कीजिए।

10

(c) A cuts down a tree on Z's ground with the intention of dishonestly taking the tree out of Z's possession without his consent. What offence has been committed by A? Examine. /य की सम्मति के बिना य के कब्जे में से एक वृक्ष बेइमानी से लेने के आशय से य की भूमि पर लगे उस वृक्ष को क काट डालता है । क ने क्या अपराध कारित किया ? परीक्षण कीजिए।

10

8.

(a) "The distinction between culpable Homicide and Murder is subtle but distinct Elucidate the Statement. Support your answer with the help of decided case laws. / "आपराधिक मानव वध तथा हत्या के मध्य भेद (अन्तर) सूक्ष्म किन्तु स्पष्ट है ।" इस कथन की व्याख्या कीजिए । अपने उत्तर के समर्थन में सुसंगत निर्णीत मामलों का भी उल्लेख कीजिए।

15

(b) 'A' knows 'Z' to be behind a bush. 'B' does not know it. 'A' intending to cause, or knowing it to be likely to cause 'Z's death induces 'B' to fire at the bush. B fires at the bush and kills Z. Examine the criminal liability of A and B. / 'क' यह जानता है कि 'य' एक झाड़ी के पीछे हैं । 'ख' यह नहीं जानता है । 'य' की मृत्यु कारित करने के आशय से यह जानते हुए कि उससे 'य' की मृत्यु कारित होना संभाव्य है, 'क' 'ख' को उस झाड़ी पर गोली चलाने के लिए उत्प्रेरित करता है । 'ख' झाड़ी पर गोली चलाता है जिससे य की मृत्यु हो जाती है । 'क' व 'ख' के दायित्व की विवेचना कीजिए।

15

9. Explain the following: / निम्नलिखित को समझाइये :

(a) Kidnapping from lawful guardianship /विधिपूर्ण संरक्षकता में से व्यपहरण

10

(b) Criminal force / आपराधिक बल

10

(c) Punishments under criminal law / अपराध विधि के अन्तर्गत दण्ड

10

10. Distinguish between the following: / निम्नलिखित में अन्तर स्पष्ट कीजिए :

(a) House Trespass and House Breaking /गृह अतिचार एवं गृह भेदन

10

b) Riot and Affray / बलवा एवं दंगा

10

(c) Preparation for offence and Attempt /अपराध की तैयारी एवं प्रयास

10

2019
LANGUAGE/भाषा
Part – I

1. Translate the following English passage into the ordinary language spoken in courts using Devnagri Script :

30

Mahatma Gandhi once said, "I realized that the true function of a lawyer was to unite parties... The lesson was so indelibly burnt into me that a large part of my time during the

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

twenty years of my practice as a lawyer was occupied in bringing about private compromise of hundreds of cases. I lost nothing thereby not even money; certainly not my soul."

Litigation seems to be an indispensable part of the society. Disputes are bound to accrue. As society grows and develops, so do the disputes, as also the tendency of the litigants to enter into multiple rounds of litigation one after the other. Undeniably "Justice can never be luxury for only those who could afford. It cannot be the prerogative of those with money in hand and power in mind". Socio-economic discrepancies can never be allowed to hinder the process of administration of justice.

Since the ends of "Justice" is to give each one his due, delaying or withholding this noble activity will, nevertheless, tend to collapse the faith and confidence reposed by a litigant in the working of the judicial system. A poor litigant may not be well versed with the legal technicalities involved. Order 17 rule 1 though provides for only three adjournments to a party in a suit, yet inevitable, it is to deny that in the interest of justice and fair play the bench never hesitates to grant adjournment, when the same is prayed for unless it is imminently necessary to decline the same.

Prolonged rather endless litigation causes mental agony and a sense of dissatisfaction in respect of the way in which disputes are traditionally resolved resulting in criticism of the Courts, the legal profession and sometimes, leads to a sense of alienation from the whole legal system. It is in this backdrop that the need for not just an alternative to litigation involving adjudication was felt, but an effective and efficacious alternative means of dispute resolution incorporated in the process of administration of an end to the litigation and affording a concrete and amicably agreeable solution to the dispute in question.

What emerges from the aforesaid discussion is that in order to make our social life peaceful, dispute resolution is an indispensable process. This dispute resolution aids to resolve conflicts, so as to enable groups and persons to maintain co-operation. It is sine quo non for maintenance of social life and security of social order so that it does not become difficult for the individuals to carry on their life together. The term 'Alternative Dispute Resolution' is used to describe several modes of resolving legal disputes. But such resolution has become impracticable for many individuals including both business world as well as common men as experienced by them to file suits and get timely justice. For the parties to be heard and decided it takes years, so in order to solve this issue of delayed justice, ADR Mechanism has been displayed in response thereof.

Both nationally and internationally, the method of Alternative Dispute Resolution is being increasingly acknowledged in field of law and commercial sectors. These methods help the parties in order to resolve the disputes at their own terms, that too cheaply and as expediously as possible. In almost all contentious matters, which are capable of being resolved under law by way of agreement between parties, ADR can be used. In several categories of disputes, especially civil, commercial, industrial and family disputes, ADR techniques are used. The Preamble of the Indian Constitution enshrines the goal of ADR, which enjoins the State to secure to all the citizens of India, justice social, economical, political- liberty, equality and fraternity. JUL-B

According to the 14th Law Commission Report, the reason for the delay results not from the procedure laid down by the legislations but by the reason of non-observance of its important decisions. In the case of Brij Mohan Lal v. Union of India, it was held by the court that – "An independent and efficient judicial system is one of the basic structures of our Constitution... It is our Constitutional obligation to ensure that the backlog of cases is declared and efforts are made to increase the disposal of cases.?

In India, the Code of Civil Procedure, 1908 was amended and the insertion of Section 89 and Order 10 Rule 1A-1C. Section 89 of the Code provides for the settlement of disputes outside the court and it is based on the recommendations which were made by the Law Commission

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

of India and Malimath Committee. The suggestion made by the Law Commission of India was that the attendance of any party to the suit or proceedings may be required to appear in person with a view to arrive at an amicable settlement of dispute between the parties. The recommendation made by the Malimath Committee was that it is the obligation on the court to refer the dispute after the framing of the issues for the settlement either by way of Arbitration, Conciliation, Mediation, Judicial Settlement through Lok Adalat. The parties can resort to filing of suits, only when, they fail to get their disputes to be settled through any of the alternative disputes resolution.

भाग- II / Part-II

2. **Translate the following Hindi passage into ordinary English language :**
निम्नलिखित हिन्दी गद्यांश का सामान्य अंग्रेजी भाषा में अनुवाद कीजिए :

जैसा कि हम जानते हैं कि कानून उन चीजों के लिए एक व्यक्ति को दंडित करने का इरादा नहीं करता है, जिस चीज़ पर वह व्यक्ति संभवतः कोई नियंत्रण नहीं रख सकता था । एक कृत्य आपराधिक मनोवृत्ति के बिना किसी व्यक्ति को दोषी नहीं बनाता है का सिद्धांत, केवल एक अनुस्मारक के रूप में काम करता है, जो यह बताता है कि आपराधिक कानून किसी व्यक्ति को दंडित करने के लिए उस व्यक्ति में किसी प्रकार के दोषी मानसिक तत्त्व को ढूंढता है और यह जाहिर है कि दोषी मानसिक तत्त्व की अनुपस्थिति में व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई सजा दी नहीं जा सकती है।
भारतीय दंड संहिता में 'साधारण अपवाद' का भी उल्लेख मिलता है । जैसा कि नाम से जाहिर है, यह अध्याय उन परिस्थितियों की बात करता है जहाँ किसी अपराध के घटित हो जाने के बावजूद तथा सजा का प्रावधान होने पर भी उसके लिए किसी प्रकार की सजा नहीं दी जाती है । यह अध्याय ऐसे कुछ अपवाद प्रदान करता है, जहाँ किसी व्यक्ति का आपराधिक दायित्व खत्म हो जाता है । इन बचाव का आधार यह है कि यद्यपि किसी व्यक्ति ने अपराध किया है, परन्तु उसे उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि अपराध के समय, या तो मौजूदा हालात ऐसे थे कि व्यक्ति का कृत्य उचित था या उसकी हालत ऐसी थी कि वह अपराध के लिए अपेक्षित आपराधिक मनोवृत्ति का गठन नहीं कर सकता था। यह जान लेना बेहद आवश्यक है कि चूंकि इस अध्याय का नाम 'साधारण अपवाद' है, इसलिए यह अध्याय न केवल सम्पूर्ण भारतीय दंड संहिता पर लागू है बल्कि इसके अंतर्गत मौजूद अपवाद अन्य कानूनों के लिए भी उपलब्ध हैं।
अपवाद के प्रकार एवं उनके भेद - यह बचाव आम तौर पर दो भागों के अंतर्गत वर्गीकृत किये जाते हैं - तर्कसंगत और क्षम्य । इस प्रकार, किसी अपराध के लिए सजा तभी दी जा सकती है जब किसी व्यक्ति द्वारा वह अपराध किसी तर्कसंगत एवं क्षम्य औचित्य की गैर मौजूदगी में किया गया हो । क्षम्य कृत्य वह है, जिसमें हालांकि उस व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुँचाया गया था, फिर भी उस व्यक्ति या उस श्रेणी के व्यक्तियों को उस कृत्य के लिए क्षमा किया जाना चाहिए क्योंकि उसे उस कृत्य के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। इसके अलावा, तर्कसंगत कृत्य वह हैं, जो हैं तो अपराध ही लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत उन्हें अपवाद माना जाता है और इसलिए उनके लिए कोई आपराधिक दायित्व नहीं बनता है । इनके बीच का अंतर इस प्रकार से साफ़ किया जा सकता है कि, क्षम्य कृत्यों को, आपराधिक मनोवृत्ति की निहित आवश्यकता के अभाव में आपराधिक दायित्व से मुक्त किया जाता है, वहीं औचित्यपूर्ण या तर्कसंगत कृत्यों के मामले में, सामान्य परिस्थितियों में वो कृत्य एक अपराध होता और उसमें आपराधिक मनोवृत्ति की मौजूदगी भी हो सकती है, लेकिन जिन परिस्थितियों में वह कृत्य किया गया वह इसे सहनीय और स्वीकार्य बनाता है।
दूसरे शब्दों में, तर्कसंगत कृत्य के अंतर्गत एक व्यक्ति अपराध के सभी अवयवों को पूरा अवश्य करता है (यहाँ तक कि आपराधिक मनोवृत्ति की मौजूदगी भी होती है), लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों के तहत उस व्यक्ति का आचरण सही माना जाता है । वहीं क्षम्य कृत्य वह होता है, जिसमें हालांकि व्यक्ति द्वारा नुकसान किया गया हैं, लेकिन यह माना जाता है कि उस व्यक्ति को आपराधिक दायित्व से मुक्त रखा जाना चाहिए क्योंकि उसे उस कृत्य के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता है (मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि आपराधिक मनोवृत्ति का उस व्यक्ति में अभाव था)।
इसको अधिक सरलता से समझने के लिए हम यह कह सकते हैं कि क्षम्य कृत्य वह कृत्य हैं, जो इस समझ और तर्क के अभाव में किए जाते हैं कि वो किसी अपराध का गठन करेंगे (या अगर अपराध का गठन कर भी रहे हैं तो वे कृत्य कानूनी रूप से किये जाने जरूरी हैं या तर्कसंगत हैं)। वहीं तर्कसंगत कृत्य के अंतर्गत, अमूमन वे कृत्य आते हैं जो इस समझ के साथ किये जा सकते हैं कि वे अपराध का गठन कर सकते हैं, लेकिन ऐसा करना कानूनी रूप से उचित माना जाता है।
ध्यान रहे कि जहाँ तर्कसंगत कृत्य में हमारे कानून के लिए किया गया अपराध महत्त्व रखता है (कि वह किन परिस्थितियों में किया गया), वहीं क्षम्य कृत्यों के मामले में हमारे कानून के लिए अपराध करने वाला व्यक्ति मायने रखता है (क्षम्य कृत्यों के मामले में कृत्य करने वाले व्यक्ति की विधि द्वारा मान्य प्रकृति को भी ध्यान में रखा जाता है)।
इसके अलावा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विभिन्न तथा प्रसिद्ध वादों में अभिनिर्णित किया गया था कि यदि मत्तता की स्थिति व्यक्ति के स्वयं के कारण है, और भले ही मत्तता से उस व्यक्ति के चित्त पर असर पड़ता है और वह अपनी तर्कशक्ति खो

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

देता है और यह समझने में अक्षम हो जाता है कि उसके द्वारा किया जा रहा कार्य विधि के विरूद्ध है या ग़लत है, फिर भी उस व्यक्ति को उस अपराध के लिए दोषी ठहराया जा सकता है।

Part-III

3. **Write a precis in English of the following passage :**
निम्नलिखित गद्यांश का संक्षिप्तीकरण अंग्रेजी में कीजिए :

40

When an accused has been found guilty of an offence, the million dollar question that faces the judge is that of the appropriate sentence which is to be imposed on the convict. Sentencing is the last stage of the criminal process and is the most complex and difficult stage in the judicial process. Sentencing can never be a rigid and mechanical process. In choosing a fair and just sentence, judges must have regard to various factors including the nature of the offence, gravity of the offence, the manner and circumstances of commission of the offence, the personality of the accused, his family background, character, motivations for the crime, antecedents etc.

Every legal system confers a wide discretion on the judges to choose the appropriate sentence. Individualization of punishment is possible only if such discretion is made available to the judge. Consistency of approach in sentencing in relation to one kind of offence is essential to maintain public confidence in the system. However, we may not be able to achieve perfect consistency in outcome because of the infinite variety of circumstances with which the courts are presented.

But when the discretion becomes wide and unfettered, the result would be wide disparity and variation in sentences. Many studies on the sentencing practices followed in India has revealed that subjectivity of the judge plays a crucial role in the decision making process. This is not at all desirable for a criminal justice system and a solution to this problem needs to be found at the earliest. The I.P.C. does not lay down the sentencing policy to be followed with respect to the offences, but leaves it to the discretion of the judge. Discretion oriented sentencing is idealistic in spirit as it enables the court to individualise the penal measures in its proper sense. Individualisation of punishment should not degrade into liberalization of punishment.

The Apex Court, while awarding the punishment for rape should not forget the unimaginable trauma, degradation and humiliation suffered by the victims of rape. Rape is an obnoxious act of the highest order affecting the dignity of a woman. The legislative intent to curb the offence of rape with iron hand can be inferred from the Criminal Law (Amendment) Act, 1983 and Criminal Law (Amendment) Act, 2013 which provided enhanced sentences for gang rape as also punishment for repeated offence. The legislative history of the amendment points the need for strictly interpreting the term "adequate and special" reasons. If a compromise is taken as "special and adequate reason" we would be going back to the pre-1983 situation, which saw many de facto rapists escaping the clutches of law.

A compromise entered into between the rape victim and the offender shall not be aken as a valid ground for awarding sub-minimum sentence. Rape is a crime against the entire women-folk and the society at large. The judiciary while dealing with an offence involving much social concern should imbibe the legislative spirit and award due punishment considering the gravity of the concerned offence and its impact on the society. Imposition of sentence without considering its effect on the social order will turn out to be counter productive. Offences, such as, gang rape require exemplary treatment. Any liberal attitude towards such heinous offenders will go against societal interest. In dealing with heinous crimes, deterrence and prevention should be the prime objective of punishment. Punishment should commensurate with the gravity of the offence and its impact on society. It should not be disproportionate.

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

2019

The Present Day/ वर्तमान परिदृश्य

Time allowed : Three Hours] Maximum Marks : 150

1.

(a) Define "jurisprudence' and discuss its classes. / विधिशास्त्र को परिभाषित करें तथा इसके वर्गों की विवेचना करें।

15

(b) Define 'Legal person' and explain its kinds. / विधिक व्यक्ति को परिभाषित करें तथा इसके प्रकारों का उल्लेख करें।

15

2.

(a) Define war crimes and discuss the laws of war. / युद्ध सम्बद्ध अपराधों को परिभाषित करें तथा युद्ध सम्बन्धित विधियों की विवेचना करें।

(b) What are the diplomatic modes of conflict resolution ? Explain. / संघर्ष के निपटारा करने हेतु राजनयिक तरीके क्या हैं ? स्पष्ट करें ।

3.

(a) What are the sources of international law ? Explain. / अन्तर्राष्ट्रीय विधि के स्रोत क्या हैं ? उल्लेख करें।

15

(b) What is the relation between international law and municipal law ? Explain. / अन्तर्राष्ट्रीय विधि तथा राष्ट्रीय विधि में क्या संबंध है ? उल्लेख करें ।

15

4.

(a) Explain the provisions of Muslim women (Protection of Rights on Marriage) Act 2019. / मुस्लिम वुमेन (प्रोटेक्सन ऑफ राइट्स ऑन मैरिज) अधिनियम 2019 के प्रावधानों का उल्लेख करें।

15

(b) Explain the provisions of the Criminal Law Amendment Act 2018 with specific reference to the Indian Penal Code. / क्रिमिनल लॉ एमेन्डमेन्ट एक्ट 2018 के प्रावधानों का भारतीय दण्ड संहिता के विशिष्ट परिप्रेक्ष्य में उल्लेख करें।

15

5.

(a) Discuss the facts, issues and judgement of the case Lalit Miglani and others Vs. State of Uttarakhand Manu/UC/0067/2017. Also discuss the order passed by supreme court in this case. / ललित मिगलानी एवं अन्य बनाम उत्तराखण्ड राज्य एवं मनु / उत्तराखण्ड / 0067 / 2017 के निर्णय के तथ्य, विचारणीय बिन्दु एवं न्यायिक निर्णय का उल्लेख करें । इस वाद में उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश की व्याख्या भी करें।

15

(b) Explain the provision relating to protection of life and personal liberty under the constitution of India and discuss its emerging dimensions. / भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार को स्पष्ट करें एवं इसके विकासशील आयामों की व्याख्या करें।

15

Practical Examination on Basic Knowledge of Computer Operation

Duration: 1 Hour MM: 100

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.

Q.1.

a) What is an IP address? Explain its purpose using example.
b) Write the steps to hide a file or folder in Windows.
c) The extension of MS Word file is
d) Name any two websites and specify their use.
e) Write the steps to find free storage space in C drive.

Q. 2. Take a snap shot of each part and print it.

a) Create a M.S. Word file with the heading 'Uttarakhand Judicial Service' with Font size 14 and Font 'Times New Roman
b) Set watermark 'Confidential' on the above file.
c) Enter the following text in the above file and Justify the text:
This is my file for the Uttarakhand Judicial Service Exam.
d) Highlight 'Uttarakhand Judicial Service Exam' in the above text.
e) Change the Page Layout to Landscape in the above file.

Q.3. Take a snap shot of each part and print it.

Create a M.S. Excel spreadsheet as follows:
a) Enter 'Record of Candidates' in the first cell. Merge and Center the text.
b) Enter the following data in above spreadsheet:

Candidate ID	Candidate_Name	Marks
001	ABC	55
002	DEF	70
003	GHI	65

c) Display all borders for the cell "Record of Candidates' in the above table.
d) Enter "These are records of the candidates' at the bottom of the table and Wrap the text entered.
e) Make the text entered in (d) Bold and Italic.

Q.4. Take a snap shot of each part and print it.

a) Create a M.S. Access table with following fields containing details of a Bank's records of customers:
ID (Auto number), Customer Name(Text), Account Number(Number),Balance(Number)
b) Change the table name to 'Customer Details'. c) Enter the following data in above table:

ID	Customer Name	Account Number	Balance
1	A	10001	1,000
2	B	10030	60,000

d) Generate a report for the above table.
e) Display Total number of records and average balance in the above table.

Q.5 Take a snap shot of each part and print it.

Using M.S. Powerpoint, perform the following:
a) Enter Judicial Process' as the slide title. Format this using Word Art.
b) Add Date and Time to the slide.
c) Insert slide number on the slide.
d) Insert Action Button to move to the next slide.
e) Create following graphic in a slide:

Linking Laws Linking Laws Tansukh Sir www.LinkingLaws.com Get Subscription Now
Linking Laws is an institution for RJS, DJS, MPCJ, UP PCS J, HCS (JB), GJS, & Other State Judiciary and Law Exams.